9. महिलाएँ, जाती एवं सुधार

अभ्यास–प्रश्नोत्तर

Q3. प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान से सुधारकों को नए कानून बनवाने में किस तरह मदद मिली ?

उत्तर: सर्वप्रथम राजा राम मोहन राय जैसे सुधारकों ने इस तरह के प्रयोग किये बाद में अन्य सुधारकों ने भी प्राचीन धर्म ग्रंथों का सहारा लिया | जब भी वे किसी हानिकारक प्रथा को वे चुनौती देना चाहते थे तो अक्सर प्राचीन धार्मिक ग्रंथों के श्लोकों से ऐसे श्लोक या वाक्य खोजने का प्रयास करते थे जो उनकी सोंच का समर्थन करते हो | इसके बाद वे दलील देते थे कि संबंधित वर्त्तमान रीति-रिवाज प्रारंभिक परंपरा के खिलाफ है |

Q4. लड़कियों को स्कूल ना भेजने के पीछे लोगों के पास कौन-कौन से कारण थे?

उत्तर:

(i) लोगों को भय था कि स्कूल वाले लड़कियों को घर से निकाल ले जायेंगे और उन्हें घरेलु कामकाज नहीं करने देंगे |

(ii) स्कूल जाने के लिए लड़कियों को सार्वजनिक स्थानों से गुजरना पड़ता था |उनकी मान्यता थी कि लड़कियों को सार्वजनिक स्थानों से दूर रहना चाहिए |

(iii) बहुत सारे लोगों को लगता था कि इससे लड़कियाँ बिगड़ जाएँगी |

Q5. ईसाई प्रचारकों की बहुत सारे लोग क्यों आलोचना करते थे ? क्या कुछ लोगों ने उनका समर्थन भी किया होगा ? यदि हाँ तो किस कारण ?

उत्तर: देश के कई भागों में लोगों ने ईसाई प्रचारकों पर हमला किया, क्योंकि उन्हें डर था कि ये प्रचारक जनजातीय समूहों तथा निम्न जाति के लोगों का धर्म परिवर्तित कर देंगे |

हाँ, कुछ लोगों ने ईसाई प्रचारकों का समर्थन भी किया होगा जिसका निम्न कारण थे |

(i) ये प्रचारक जनजातीय लोगों तथा निम्न जाति के लोगों के लिए स्कूलों की स्थापना कर रहे थे |

(ii) इन लोगों के बच्चों के पास इससे कुछ ज्ञान एवं निपुणतायें आ रही थी |जिनके सहारे वे बदलती दुनिया में अपने लिए रास्ता बना सकते थे |

Q6. अंग्रेजों के काल में ऐसे लोगों के लिए कौन से नए अवसर पैदा हुए जो "निम्न" मानी जाने वाली जातियों से संबंधित थे ?
उत्तर:
(i) शहरों में नौकरी के नए-नए अवसर सामने आ रहे थे | नए स्थापित कारखानों तथा निगमों में नौकरियाँ मिल रही थी |
(ii) मजदूरों, कुलियों, खुदाई करने वालों, ढोने वालों, ईंट बनाने वालों, नाली की सफाई करने वालों, जमादारों, रिक्शा खींचने वालों की दिनों-दिन माँग बढ़ती जा रही थी|
(iii) असम, मारीशस तथा इंडोनेशिया के बागानों में भी नौकरी के अवसर बन रहे थे |
(iv) ईसाई प्रचारकों ने जनजातीय तथा निम्न जाति के बच्चों के लिए स्कूल की स्थापना की |

Q8. फुले ने अपने पुस्तक गुलामगिरी को गुलामो की आजादी के लिए चल रहे अमेरिका आदोलंन को समर्पित क्यों किया?
उत्तर: 1873 में फुले ने गुलामगिरी नामक एक किताब लिखि गुलामगिरी का अर्थ होता है गुलामी | इस घटना के करीब 10 वर्ष पहले अमेरिकी गृहयुद्ध हुआ था जिसमें अंततः अमेरिका में गुलामी प्रथा का अंत हुआ | यही कारण है कि फुले ने अपनी पुस्तक 'गुलामगिरी' को अमेरिका में गुलामी प्रथा के विरुद्ध आन्दोलन करने वालों को समर्पित किया |

Q9. मंदिर प्रवेश आन्दोलन के जरिये अंबेडकर क्या हासिल करना चाहते थे ?
उत्तर:
(i) 1927 से 1935 के बीच अम्बेडकर ने मदिरों में प्रवेश के लिए ऐसे तीन आन्दोलन चलाये, वे पूरे देश को दिखना चाहते थे कि समाज में जातीय पूर्वाग्रहों की जकड कितनी मजबूत है | वे अपने महार जाति के लोगों को मंदिर में प्रवेश का हक दिलाना चाहते थे | समाजिक भेदभाव समाप्त करना उनका उद्देश्य था |